# निरजैफ्ट समाचार

(आईएसओ 9 001: 2008 प्रमाणित संस्था)

खंड –20 अंक– 2

अक्टूबर: 2016 से सितंबर 2017


## इस अंक में


- निदेशक की कलम से
- संस्थागत गतिविधियां
  - केंद्रीय मंत्री का दौरा
  - स्वच्छ भारत कार्यक्रम
  - स्थापना दिवस समारोह
  - सीआर नोड्डर स्मारक व्याख्यान
  - सतर्कता जागरूकता सप्ताह
  - जूट हस्तशिल्प प्रशिक्षण
  - स्वप्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम
  - वैज्ञानिक-किसान परस्पर वार्ता
  - विचारोतेज्जक कार्यशाला
  - पुस्तकालय कार्यशाला
  - एआईएनपीजेएएफ की वार्षिक कार्यशाला
  - एबीआई-प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम
  - हिंदी अनुभाग की गतिविधियां
  - बी.एससी (कृषि)के छात्रों कीअध्ययन यात्रा
  - प्रदर्शनी में भागीदारी
  - मेरा गाँव मेरा गौरव कार्यक्रम
  - पावर रिबनर के स्थलीय प्रदर्शन
  - एनएफएसएम प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम
  - एक्सपोजर विजिट
  - स्कूल के छात्रों की अध्ययन यात्रा
  - गृह गोष्ठी
  - विशिष्ट आगंतुक़
- उपलब्धियां
  - पुरस्कार
  - दर्ज किए गए पेटेंट
- कार्मिक



**प्रमुख संपादक**
डॉ.ए.एन. राय, निदेशक (कार्यकारिणी)

**कार्यकारी संपादक**
डॉ. एल. अम्मेयप्पन

**संपादकों**
डॉ. जी. बोस
डॉ. एल. के. नायक
डॉ. आर. के. घोष

**अनुवाद**
श्री के.एल.अहिरवार

**फोटोग्राफी** श्री के. मित्रा

**मुद्रक** मेसर्स एसकेजी मीडिया
फोन: 033 4063 3318


## निदेशक की कलम से

सकल घरेलू उत्पाद का 14% और देश के निर्यात का 12% से अधिक के लिए जिम्मेदार भारत का कृषि व्यवसायिक क्षेत्र कर्मचारियों को 50% से अधिक रोज़गार प्रदान करता है और समावेशी विकास एवं वृद्धि के साथ ही खाद्य सुरक्षा के लिए भी प्रेरित करता है। इसे आईसीएआर संस्थानों और कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा उपयुक्त कृषि अनुसंधान, शिक्षा एवं विस्तार सक्षम विकास तथा उपयुक्त प्रौद्योगिकियों की प्रेरणा के माध्यम से प्राप्त किया गया है और यह कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के माध्यम से प्रौद्योगिकियों को किसानों तक पहुंचाने में सक्षम है।

कृषि व्यवसायिक क्षेत्र के बाद, कपड़ा क्षेत्र जीडीपी में प्रमुख भूमिका निभा रहा है क्योंकि यह 4% योगदान करता है। यह लगभग 51 मिलियन लोगों को प्रत्यक्ष रूप से तथा68 मिलियन लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करता हैं। भारतीय कपड़ा उद्योग, वर्तमान में लगभग 120 अरब अमरीकी डॉलर का अनुमान लगाता है, 2020 तक इसके 230 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। कपड़ा क्षेत्र में जूट का व्यवसायिक क्षेत्र देश के पूर्वी क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह 0.37 लाख कामगारों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करता है एवं इसकी 4.0 मिलियन लोगों के प्रति अप्रत्यक्ष भागीदारी है जिसमें किसान से लेकर हस्तकला कारीगर तक सम्मिलित हैं। हाल ही में, जूट मिलों में बोरा बनाने के टाट और हेसियन उत्पादनार्थ जूट रेशा की खपत स्थिर है, हालांकि जूट आधारित घरेलू वस्त्रों का निर्यात धीरे-धीरे बढ़ रहा है। इसलिए इस क्षेत्र ने जूट से बने बिछौनों के रूप में इस्तेमाल होने वाले घरेलू वस्त्रों को तैयार करने के लिए एक नया अग्रोन्मुख क्षेत्र खोल दिया है।

आईसीएआर-निरजैफ्ट की जूट हितधारकों के लिए संभावित प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में प्रमुख भूमिका है और यह सही समय पर जरूरतमंद लोगों के बीच ऐसी तकनीकों को प्रसारित करता है। इसअवधि के दौरान संस्थान ने जूट रिबनर और जूट को रसायन से सड़ाने के तरीकों का सत्रह वार आमने-सामने प्रदर्शन किया; दो सहभागिता प्रौद्योगिकी विकास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम, तीन एनएफएसएम प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम, चार स्वप्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम, एनईएच घटक के अंतर्गत एक प्रशिक्षण कार्यक्रम, दो वैज्ञानिक-किसान वार्ताएं, जेडीपी पर पांच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए तथा जूट हितधारकों के लाभार्थ मेरा गाँव मेरा गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत चौदह प्रदर्शिनियों और ग्यारह अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। मुझे विश्वास है कि संस्थान के प्रसार का परिणाम जूट के किसानों के साथ-साथ जूट उद्यमियों की आवश्यकताओं को निश्चित रूप से पूरा करेगा। मैं वर्तमान अंक को शीघ्र प्रकाशित करने हेत संपादकीय मंडल के प्रयासों की अति सराहना करता हूं।

**डॉ. अलोक नाथ राय**
निदेशक (कार्यकारी)

# संस्थागत गतिविधियाँ

## केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री का दौरा

श्री राधा मोहन सिंह, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार ने 13 जून, 2017 को संस्थान का दौरा किया। माननीय मंत्री ने पूर्वी क्षेत्र में स्थित विभिन्न आईसीएआर संस्थानों यथा आईसीएआर-अटारी, आईसीएआर-क्राईज़ैफ, आईसीएआर-सीफरी, आईसीएआर-सीएसएसआरआई, आईसीएआर-एनडीआरआई, आईसीएआर-सीआईएफई और केवीके के क्षेत्रीय स्टेशन के सभी प्रतिनिधियों से बातचीत की।अपने संबोधन में माननीय मंत्रीजी ने जोर देकर कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) को कृषि समुदाय के सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि केवीके के क्षेत्रीय विस्तार कार्य को अधिक सुव्यवस्थित तरीके से किया जाना चाहिए ताकि कृषि समुदाय को आईसीएआर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों का अधिकतम लाभ मिल सकेगा। उन्होंने किसानों की आजीविका में तेज़ी से सुधार करने के लिए डिजिटल तकनीकों पर जोर दिया।

प्रयोगशालाओं को देखते माननीय मंत्री श्री राधा मोहन सिंह

श्रोताओं को संबोधित करते माननीय मंत्रीजी

## स्वच्छ भारत कार्यक्रम

संस्थान में 2 अक्टूबर, 2016 को राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस मनाया गया जिसमें सभी कर्मचारियों ने देश भर में चलाए जा रहे सफाई और स्वच्छता आंदोलन में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु शपथ ली। संस्थान में 16 से 31 अक्टूबर, 2016 तक स्वच्छ भारत पखवाड़ा मनाया गया। अपोलो क्लिनिक के सहयोग से संस्थान के कर्मचारियों के स्वास्थ्य जांच के लिए एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कर्मचारियों के लिए महात्मा गांधी के "जीवन और शिक्षण" पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उन्होनें इस प्रतियोगिता में भाग लिया और स्वच्छ भारत पखवाड़ा विषयक आदर्श वाक्य, कविता, चित्रकला, पेंटिंग और बैनर तैयार करके योगदान दिया है और सर्वश्रेष्ठ काम का प्रदर्शन करने वाले तीन कलाकारों ने पुरस्कार जीता है।

राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस के अवसर पर संस्थान के प्रांगण में श्रंखला बनाकर पंक्ति में खड़े कर्मचारीगण

संस्थान के प्रांगण में लार्वानाशी का छिड़काव करता कर्मी

मेडिकल कैंप में स्वास्थ्य जांच

संस्थान में 16.05.2017 से 31.05.2017 तक स्वच्छता पाखवाड़ का आयोजन किया गया और इस दरम्यान निम्न कार्यक्रमों का आयोजन कर स्वच्छता ही सेवा है कार्यक्रम मनाया गया जो 15.09.2017 से 2.10.2017 तक जारी रहा।

- स्कूल के छात्रों के लिए "हमारे समाज में सफाई अभियान" विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन 31.05.2017 को किया गया।
- संस्थान के कंपोस्ट गड्ढे को पुनर्निर्मित किया गया और जैव-अपशिष्टों से जैव उर्वरक का उत्पादन शुरू किया गया है।
- कार्यालय के कर्मचारियों के लिए "स्वच्छता अभियान" विषयक आदर्श वाक्य और लघु कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- पर्यावरण को हरा-भरा बनाने के लिए संस्थान के विभिन्न स्थानों पर विविध प्रकार के पौधे रोपे गए।
- सफाई कर्मचारियों द्वारा वर्षभर दक्षतापूर्ण ढंग से बेहतर सफाई करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अभिवादन समारोह में उन्हें सम्मानित किया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए 21.06.2017 को सभी कर्मचारियों ने योग कक्षा में भाग लिया।
- सार्वजनिक स्थानों और स्थानीय पर्यटन स्थलों को स्वच्छ बनाने के लिए विक्टोरिया पैलेस पर स्वच्छता अभियान चलाया गया।
- संस्थान के प्रांगण को मच्छर मुक्त बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की गईं।
- आईसीएआर-निरजैफ्ट के कर्मचारी भारत स्वच्छता मिशन के तहत अपने व्यक्तिगत प्रांगणों की सफाई करने के साथ-साथ गाँव में सफाई अभियान चलाने के उद्देश्य से गांव के लोगों के साथ परस्पर वार्ता हेतु दक्षिण 24 परगना के सशान गाँव गए।
- कर्मचारियों के लिए क्रमशः 20.09.2017 और 22.09.2017 को "ई-कचड़ा आधुनिक सभ्यता के लिए खतरा है" निबंध प्रतियोगिता और "स्वच्छता तथा शौचालय का रखरखाव:स्वच्छता की कुंजी है" प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

वृक्षारोपण करते निदेशक

सार्वजनिक स्थानोंकी सफाई

कर्मचारियों के लिए योग कक्षा

# 79वां स्थापना दिवस

आईसीएआर-निरजैफ्ट का 79 वां स्थापना दिवस 3 जनवरी, 2017 को मनाया गया। इस अवसर पर भारत के कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री सुदर्शन भगत ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्य बनाया। डॉ. जी रॉय, निदेशक (कार्यकारी) ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों का संक्षेप में ब्योरा दिया। आईसीएआर-निरजैफ्ट के पूर्व निदेशक डॉ के.के.सत्पथी ने स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। डॉ.सत्पथी ने अपने व्याख्यान में संस्थान के स्थापना काल से लेकर अब तक हुए विकास के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने जूट रेशा के उपयोग और उसके भावी रुझान की वर्तमान स्थिति को भी स्पष्ट किया। माननीय मंत्री श्री सुदर्शन भगत ने संस्थान को नव स्तर पर लाने में योगदान देने वाले निरजैफ्ट के सभी कर्मचारियों को बधाई दी। इस अवसर पर मंत्री जी के कर कमलों से वैज्ञानिक हिंदी पत्रिका "देवांजलि" का विमोचन किया गया।

दीपप्रज्ज्वलित करते माननीय अतिथि श्री सुदर्शन भगत

मंच पर विराजमान सम्मानित अतिथि

आईसीएआर-निरजैफ्ट के पूर्व निदेशक डॉ.के.के. सत्पथी का किया गया सम्मान

आईसीएआर-सिरकोट के निदेशक डॉ.पी.जी. पाटिल का किया गया सम्मान

## चतुर्थ सी.आर.नोड्डर स्मारक व्याख्यान

चतुर्थसी.आर.नोड्डर स्मारक व्याख्यान के अवसर पर मंच पर विराजमान सम्मानित अतिथि

अनुभवों को साझा करते डॉ. एस. श्रीनिवासन

डॉ. एस. श्रीनिवासन, पूर्व निदेशक, आईसीएआर-सिरकोट, मुंबई ने चतुर्थ सी. आर.नोड्डर स्मारक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में ऊर्जा और पर्यावरण के क्षेत्र में हालिया प्रगति को केंद्रित करते हुए कहा कि यह लिग्नोसेलुलोसिक प्राकृतिक रेशों के माध्यम से संभव है। उन्होंने जैव ऊर्जा उत्पादन करने के लिए पर्यावरण हितैषी विभिन्न लिग्नोसेलुलोसिक रेशों के उपयोग पर बल दिया। डॉ. आर.पी.काचरू, पूर्व- एडीजी (पीई), आईसीएआर, नई दिल्ली ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में जूट प्रसंस्करण में प्राकृतिक रेशों और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की आवश्यकता के बारे में सविस्तार बताया। संस्थान के कर्मचारियों द्वारा एक संक्षिप्त सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आस-पास के आईसीएआर संस्थानों से आए प्रतिनिधि, संस्थान के सेवानिवृत्त कर्मचारी समेत बड़ी संख्या में सेवारत कर्मचारी मौजूद थे। आ योजन समिति के अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.एन. चट्टोपाध्याय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

## सतर्कता जागरूकता सप्ताह

आईसीएआर-निरजैफ्ट में 31 अक्टूबर से 5 नवंबर 2016 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इसी दिन 31 अक्टूबर, 2016 को सभी कर्मचारियों ने अपने व्यावसायिक और निजी जीवन के हर क्षेत्र से भ्रष्टाचार को खत्म करने की प्रतिज्ञा की। इसके अलावा सप्ताहव्यापी कार्यक्रम के दौरान संस्थान के कर्मचारियों के लिए बाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और स्कूल के बच्चों के लिए भ्रष्टाचार के बारे में जागरूक बनाने विषयक निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह 5 नवंबर 2016 को आयोजित किया गया जिसमें डॉ. एन. सी.पान, सतर्कता अधिकारी ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया; डॉ. गौतम राय, निदेशक (कार्यकारी) ने भ्रष्टाचार पर सतर्कता के महत्व को सविस्तार बताया। मुख्य अतिथि श्री बी. बी. चक्रवर्ती, पुलिस उप-अधीक्षक, अपराध शाखा, सीबीआई ने सतर्कता संबंधी सरकारी नियम और विनियमों की जानकारी दी और कहा कि भ्रष्टाचार को खत्म करने की पहल स्कूल स्तर से शुरू की जानी चाहिए। उन्होंने प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए। डॉ. एल.के. नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

सतर्कता की शपथ लेते संस्थान के कर्मचारी

समापन समारोह के दौरान श्री डी. बी. चक्रवर्ती

# जूट हस्तशिल्प वस्तुओं के निर्माण का प्रशिक्षण

एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन (एबीआई) प्रोजेक्ट, आईसीएआर-निरजैफ्ट, कोलकाता के तहत "जूट हस्तशिल्प वस्तुओं के निर्माण" पर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 22-27 फरवरी, 2017 को केवी के, केंद्रपाड़ा (ओयूएटी) ओडिशा में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले के कृषि आधारित शिल्प कार्यों से जुड़े बीस (20) महिला प्रशिक्षुओं ने भाग लिया है। श्री पी.के. मिश्रा, कृषि उप निदेशक, केंद्रपाड़ा और श्री मधुसूदन दलाई, सहायक बागवानी निदेशक, केंद्रपाड़ा ने उद्घाटन सत्र में उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्य बनाया है। श्री एल.के. मोहंती, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, केवीके, केंद्रपाड़ा ने जूट हस्तशिल्प वस्तुओं के बाजार की मांग पर प्रकाश डाला। डॉ. लक्ष्मीकांत नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर-निरजैफ्ट और श्रीमती एन. महापात्रा, वैज्ञानिक, केवीके, केंद्रपाड़ा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रमका उद्घाटन

एबीआई टीम के सदस्यों के साथ सहभागिता

प्रशिक्षुओं को संबोधित करते डॉ. ए.एन. राय, पीआई-एबीआई

# स्वप्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

आईसीएआर-निरजैफ्ट में जूट हस्तशिल्प, जूट हैंडबैग, जूट विरंजन और रंगाई पर स्वप्रायोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया हैं।

**आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण**

| कार्यक्रम | अवधि | प्रतिभागी |
|---|---|---|
| जूट-याक मिश्रित कपड़े से पोशाक | 07-12 जनवरी,2017 | 9 |
| जूट हस्तशिल्प और जूट आभूषण | 6-20 फरवरी,2017 | 15 |
| जूट का विरंजन एवं रंगाई | 17-21 अप्रैल, 2017 | 12 |
| जूट का विरंजन एवं रंगाई | 1-5 मई, 2017 | 12 |
| जूट हैंड बैग /शॉपिंग बैग | 22 मई से3 जून | 25 |
| जूट की फ़ैन्सि हस्तशिल्प वस्तुएँ | 12-24 जून, 2017 | 27 |
| जूट हस्तशिल्प वस्तुएँ और जूट आभूषण | 10-22 जुलाई, 2017 | 24 |
| जूट हैंड बैग /शॉपिंग बैग | 17-19 जुलाई, 2017 | 22 |
| जूट का विरंजन एवं रंगाई | 28 अगस्त से 1 सितंबर, 2017 | 12 |

प्रगतिधीन हस्तशिल्प प्रशिक्षण

विरंजन विषय पर व्याख्यान

निदेशक के कर कमलों से प्रमाणपत्र वितरण

# वैज्ञानिक-किसान परस्पर वार्ता

सीआरपी-निरजैफ्ट-101 परियोजना के तहत 02.03.2017 को वैज्ञानिक– किसान परस्पर वार्ता का आयोजन किया गया और इसमें नदिया जिला, छपरा ब्लॉक के पुखुरिया गांव के 21 किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया है। डॉ.एस.देबनाथ ने किसानों का स्वागत किया और परस्पर वार्ता के उद्देश्यों को विस्तारपूर्वक बताया। डॉ. जी.रॉय, निदेशक (कार्यकारी ने जूट एवं संवर्ग रेशों के मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण के महत्व पर जोर दिया। डॉ. एल. के. नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं परियोजना पीआई ने कार्यक्रम का समन्वय किया और डॉ. वी. बी. शंभू, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

वैज्ञानिकों और किसानों के बीच वार्ता

# रैमी रेशा के उत्पादन और श्रेणीकरण पर विचारोत्तेजक कार्यशाला

श्रेणीकरण पर व्याख्यान देते डॉ. गौतम रॉय, प्र॰ वै. एवं पीआई- सीआरपी-02 परियोजना

आईसीएआर-निरजैफ्ट और बिस्वनाथ कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, एएयू, असम के सहयोग से डॉ. पी. के. दास, प्रधान वैज्ञानिक, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, एएयू, शिलांगनी, नागाँव, असम की अध्यक्षता में रैमी रेशा के उत्पादन और श्रेणीकरण पर विचारोत्तेजक कार्यशाला 30.11.2016 को बिस्वनाथ कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर में आयोजित की गई। इस अवसर पर डॉ. एच. सी. बेयन,प्रोफेसर एग्रोनोमी ऑफ बीएनसीए ने उत्पादन, श्रेणीकरण और यंत्रीकरण के विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिक व्याख्यान दिए; इसके बाद डॉ. एस. सी. साहा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, निरजैफ्ट, कोलकाता और डॉ. गौतम राय, निदेशक (कार्यकारी), निरजैफ्ट, कोलकाता ने क्रमशःसंबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए। कार्यक्रम में विभिन्न रार्स, केवीके, असम के हितधारकों, इंस्टीटूयूशनस अंडर असम एग्रीकलचरल युनिवर्सिटी, राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों, एनजीओ और प्रगतिशील किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया है।

# एक दिवसीय पुस्तकालय कार्यशाला

संस्थान के पुस्तकालय द्वारा 22/12/2016को आधुनिक सूचना प्रसार प्रणाली में पारंपरिक और डिजिटल पुस्तकालय की पूरक प्रकृति पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य वैज्ञानिक समुदाय, तकनीकी कर्मचारियों और अन्य उपयोगकर्ताओं को बदलती तकनीक के साथ पुस्तकालय के उपयोग के बारे में जागरुक करना था। समारोह में प्रमुख अतिथि श्री सत्यव्रत राय, पूर्व पुस्त्काध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशन फॉर कल्टीवेशन ऑफ साइंस ने मूल व्याख्यान दिया। डॉ. साबुज कुमार चौधरी, सहायक प्रोफेसर, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय और डॉ. एन. सी. घोष, लाइब्रेरियन, सीएसआईआर-भारतीय रसायन विज्ञान संस्थान, कोलकाता ने विषय संबंधी व्याख्यान दिए। कार्यशाला में स्थानीय आईसीएआर, सीएसआईआर, नेशनल लाइब्रेरी, ब्रिटिश लाइब्रेरी और अन्य संस्थानों के पुस्तकाधिकारियों ने भाग लिया है।

स्वागत संबोधन करती डॉ. आर. नैया, प्रभारी पुस्तकालय

# एआईएनपीजेएएफ की वार्षिक कार्यशाला

आईसीएआर-क्राईजैफ के सहयोग से10-11 मार्च, 2017 के दौरान आईसीएआर-निरजैफ्ट, कोलकाता में जूट एवं संवर्गी रेशों पर अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना की 29 वीं वार्षिक कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला का उद्घाटन

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों का एक दृश्य

इस अवसर पर डॉ. आर.के.सिंह, एडीजी (सीसी) ने अपने व्याख्यान में जूट की खेती की लागत में कटौती करने पर जोर दिया, ताकि रेशा की गुणवत्ता बढ़े और अधिक लाभ मिले। 2016-17 के दौरान फसल सुधार, फसल उत्पादन, फसल संरक्षण क्षेत्र और रेशा गुणवत्ता से जुड़े पहलुओं पर अनुसंधान उपलब्धियों की विस्तार पूर्वक समीक्षा की गई तथा 2017-18 के अनुसंधान कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। इस कार्यक्रम में आईसीएआर-क्राईजैफ, आईसीएआर-निरजैफ्ट से जूट के कुल 100 प्रतिनिधियों समेत पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों के किसानों ने हिस्सा लिया है।

# एबीआई प्रायोजित प्रशिक्षण

रामकृष्ण मिशन आश्रम, सरगाची, मुर्शिदाबाद के सहयोग से कृषि व्यावसायिक इंक्यूवेशन (एबीआई) प्रोजेक्ट के अंतर्गत"जूट एवं संवर्ग रेशों की प्राकृतिक रंगों से रंगाई एवं विरंजन "विषयक चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 से 29 जुलाई, 2017 तक आरकेएम सगाची में आयोजित किया गया। एबीआई के पीआई और निरजैफ्ट के कार्यकारी निदेशक डॉ. ए.एन.राय के कर कमलों से कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। उन्होंने इस अवसर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों को बताया। प्रशिक्षण में 21 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया और उन्हें जूट वस्त्रों को विरंजित करने और रंगने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. एन. सी. पान, प्रधान वैज्ञानिक एवं सीबीपी प्रभागाध्यक्ष, डॉ. एस. एन. चट्टोपाध्याय, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. एस. देबनाथ, प्रधान वैज्ञानिक और श्री ए. खान, एसटीओ विशेषज्ञ के तौर पर उपस्थित थे।

"जूट एवं संवर्गी रेशों की प्राकृतिक रेशों की रंगाई और विरंजन" विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

कृषि व्यापार केंद्र (एबीआई) परियोजना के तहत केवीके, मयूरभंज-I (ओयूएटी), बारिपदा, ओडिशा में "जूट हस्तशिल्प वस्तुओं के निर्माण" पर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केवीके मयूरभंज-I प्रमुख डॉ. एस. पटनायक ने जूट हस्तशिल्प के माध्यम से ग्रामीण उद्यमियों के विकास में केवीके की भूमिका पर प्रकाश डाला। श्रीमती झुनिलता भुयान, वैज्ञानिक ने आईसीएआर-निरजैफ्ट की कार्यक्रम को संयुक्त रूप से आयोजित करने के प्रयासों की सराहना की है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रमाणपत्र वितरण

अभिवादन कार्यक्रम में डॉ. ए.एन. राय, निदेशक (कार्यकारी) एवं पीआई-एबीआई ने प्रशिक्षण उत्पादों के विपणन के साथ ही कच्चे माल के स्रोत के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। कार्यक्रम में जिला- मयूरभंज, ओडिशा के कृषि-आधारित शिल्प कार्यों से जुड़े बाईस प्रगतिशील महिला किसानों ने भाग लिया। डॉ. एल.के. नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कार्यक्रम का समन्वय किया है।

# हिंदी अनुभाग की गतिविधियां

***हिंदी कार्यशाला***

हिंदी में टिप्पण एवं मसौदे विषयक तृतीय हिंदी कार्यशाला 17 दिसंबर, 2016 को आयोजित की गई जिसमें 20 कर्मचारियों ने भाग लिया है। कार्यशाला में श्रीमती मंजू सिरीन, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने भारत के संविधान में राजभाषा की स्थिति पर व्याख्यान दिया।

हिंदी में टिप्पण,मसौदा एवं राजभाषा कार्यान्वयन विषयक चतुर्थ हिंदी कार्यशाला 25 फरवरी, 2017को आयोजित की गई जिसमें तेईस कर्मचारियों ने भाग लिया है। कार्यशाला में श्रीमती ए.वी. मिंज, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने राजभाषा नीति पर व्याख्यान दिया और हिंदी व्याकरण, दैनिक प्रशासनिक कार्यों में लिखीं जाने वाली नैमी टिप्पणियों के बारे में वर्णन किया। श्री आर. डी. शर्मा ने राजभाषा कार्यान्वयन विषयक व्याख्यान में राजभाषा नियम, अधिनियम और संकल्प पर चर्चा करते हुए धारा 343 से 351 का विस्तार पूर्वक वर्णन किया।

***प्रशिक्षण***

संस्थान के सात कर्मचारियों को कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने के उद्देश्य से मूलभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया जिसे दिसंबर, 2016 के दौरान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया था।

हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के अंतर्गत 06.01.2017 से 06.02.2017 तक संस्थान में हिंदी गहन प्रशिक्षण "पारंगत" का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के 31 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।

पारंगत प्रशिक्षण कार्यक्रम

# निरजैफ्ट में अध्ययन यात्रा पर आए बी.एससी (कृषि)के छात्र

संस्थान में 04.04.2017को कॉलेज ऑफ एगीकल्चर वेल्लैनी, त्रिवेंद्रम, केरल के कृषि विज्ञान विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ. ए.एस. अनिल कुमार के नेतृत्व में चार कर्मचारी समेत बी.एससी (कृषि) तृतीय वर्ष के106 छात्र अध्ययन यात्रा पर आए। डॉ. गौतम राय, निदेशक (कार्यकारी ) ने छात्रों का स्वागत किया और उन्हें संस्थान के अनुसंधान और विकास संबंधी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। डॉ.एल.के. नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, टोट प्रभाग, डॉ. एस. सी. साहा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, क्यूईआई प्रभाग, डॉ. एस. देवनाथ, प्रधान वैज्ञानिक, एमपी प्रभाग और डॉ. के.के. सामंत, वैज्ञानिक, सीबीपी प्रभाग ने छात्रों के चार बैच बनाकर उन्हें संस्थान के सभी प्रभागों के अनुसंधान और विकास के क्रियाकलापों के बारे में जानकारी दी। डॉ. एल.अम्मैयप्पन वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीबीपी प्रभाग ने छात्रों की अध्ययन यात्रा का समन्वय किया है।

संस्थान के सभागृह में छात्रों की सभा

कताई प्रक्रिया का प्रदर्शन

# प्रदर्शनी में भागीदारी

संस्थान ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और वहाँ पर संस्थान के अनुसंधान एवं विकास उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया है। संस्थान के विभिन्न कर्मचारियों ने इन प्रदर्शनियों में भाग लेकर अनेकानेक हितधारकों के बीच प्रौद्योगिकियों को प्रसारित किया है। प्रदर्शनियों का विवरण नीचे दिया गया है।

| कार्यक्रम | आयोजक | स्थान | अवधि |
|---|---|---|---|
| पूर्वांचल कृषि प्रदर्शनी एवं किसान गोष्टी | अटारी, कानपुर, यू पी. | ग्राम-चौक्कमफी,जिला-गोरखपुर,यू.पी. | 23-24 अक्टूबर, 2016 |
| जूट के व्यवसायिक क्षेत्र में एमएसएमई | इंडियन नैचुरल फाइबर सोसाइटी | रबीन्द्र तीर्थ, राजरहाट, कोलकाता | 25-26 नवंबर, 2016 |
| किसान मेला-सह-प्रौद्योगिकी प्रदर्शन | रामकृष्ण मिशन और आईवीआरआई-कल्याणी | सस्य श्यामला केवीके, आरापंच, सोनारपुर,पश्चिम बंगाल | 14 दिसंबर, 2016 |
| आकांक्षा 2016 | श्री अरबिंदो इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर | श्री अरबिंदो इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर, कोलकाता | 15-24 दिसंबर, 2016 |
| चतुर्थ असम अंतर्राष्ट्रीय कृषि और बागवानी शो 2016 | कृषि विभाग, बागवानी, और फल संसाधन, असम सरकार, भारतीय वाणिज्य मंडल और एएयू | गुवाहाटी, असम | 6-9 जनवरी, 2017 |
| प्रौद्योगिकी सप्ताह –सह- रबी किसान सम्मेलन | केवीके, हावड़ा | जगतबल्लभपुर, हावड़ा, पश्चिम बंगाल | 17-19 जनवरी, 2017 |
| कृषि-सह-डेयरी मेला और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन | आईसीएआर-एनडीआरआई, क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता | घोषालडांगा गांव-जिला-बीरभूम, पश्चिम बंगाल | 28 जनवरी, 2017 |
| 11वींअखिल भारतीय पीपुल्स टेक्नोलॉजी कांग्रेस | फोरम ऑफ साइंटिस्ट, इंजीनियर्स एंड टेक्नोलॉजी (फोसेट) | एनआईटीटीटीआर, साल्ट लेक, कोलकाता | 5 फ़रवरी, 2017 |
| प्रौद्योगिकी सप्ताह 2017-सह-रबी किसान सम्मेलन | केवीके-हुगली | चिंसुरा, हुगली | 8-10 फरवरी, 2017 |
| प्रौद्योगिकी और मशीनरी प्रदर्शन मेला | आईसीएआर-निर्जाफ्ट | केवीके-हुगली, चिंसुरा, हुगली | 10 फरवरी, 2017 |
| पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में नए केवीके की आधारशिला | आईसीएआर-केन्द्रीय जूट और संवर्ग रेशा अनुसंधान संस्थान | आईसीएआर-क्राईज़ैफ, बैरकपुर | 13 फरवरी, 2017 |
| कृषि उन्नति मेला 2017 | आईसीएआर एवं कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय | आईएआरआई, नई दिल्ली | 15-17 मार्च, 2017 |
| कृषि मेला 2017 | पूर्वी क्षेत्र के लिए आईसीएआर -अनुसंधान परिसर, पटना | मोतीहारी, बिहार | 15-19 अप्रैल, 2017 |
| तृतीय राष्ट्रीय हथकरघा दिवस | बुनकर सेवा केंद्र, विकास आयुक्त हथकरघा, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार | भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), कोलकाता | 7-8 अगस्त, 2017 |

# मेरा गांव मेरा गौरव कार्यक्रम

मेरा गांव मेरा गौरव कार्यक्रम के तहतआईसीएआर-निरजैफ्ट ने पांच जिलों-हावड़ा, हुगली, नादिया, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगनाओं के 25 गांवों को गोद लिया है। संस्थान के एक वैज्ञानिक को प्रत्येक चयनित गांव को गोद लेने और ग्रामीण जनों में ज्ञान प्रसार करने के लिए आवंटित किया गया और ग्रामीण जनों को व्याख्यान एवं प्रदर्शन के माध्यम से मार्गदर्शन, जूट आधारित हस्तशिल्प वस्तुएँ, विरंजन, रंगाई, जूट पौधों को रासायनिक तरीके से सड़ाने और बिजली चालित रिबनर के बारे में जागरूक किया गया है।

| कार्यक्रम | कवर किए ग्राम / ब्लॉक | स्थान | अवधि | प्रतिभागी |
|---|---|---|---|---|
| जूट विविधीकरण | नदिया केवीके के तहत भवानीपुर, सत्यपाल और पंचकन्या | भवानीपुर बागवानी विकास सहकारी समिति लिमिटेड, भवानीपुर | 15 नवंबर 2016 | 15 महिला प्रतिभागी |
| केले रेशे का निष्कर्षण, उपयोगिता और हस्तशिल्पवस्तुओं के निर्माण में संभावना | केवीके नदिया के तहत तालपुकुर | बडगाछी, सोनारपुर, दक्षिण 24 परगना | 31 दिसंबर, 2016 | 25महिला किसान |
| विश्व मृदा दिवस | केवीके के तहत भवानीपुर, सत्यपाल और पंचकन्या | नदिया भवानीपुर बागवानी विकास सहकारी सोसायटी लिमिटेड, भवानीपुर, नदिया,पश्चिम बंगाल | 05 दिसंबर, 2016 | 31 किसान |
| गर्मियों में टमाटर के खेत में जूट भू-वस्त्र से मल्च करने के परीक्षण | हुगली जिले के अयडा, झरूल, रूपराजपुर, सियाखला और उत्तर शिमला गांव | केवीके-हुगली, चिन्सुरा | 12 फरवरी, 2017 | 30 किसान |
| केवीके के तहत मूल्यवर्धित जूट हस्तशिल्प उत्पादों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम | केवीके नदिया के तहत भवानीपुर, सत्यपाल और पंचकन्या | नदिया भवानीपुर बागवानी विकास सहकारी सोसायटी लिमिटेड, भवानीपुर, नदिया,पश्चिम बंगाल | 25 मार्च, 2017 | 20 प्रगतिशील किसान (14 महिला और 6 पुरुष) |

चिंसुरा में किया जा रहा भू-कपड़ा का परीक्षण

किसानों के समक्ष कृषि-कपड़ा का प्रदर्शन

भवानीपुर में विश्व मृदा दिवस के अवसर पर विचार व्यक्त करते वैज्ञानिक

# पावर रिबनर का आमने-सामने प्रदर्शन

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत केवीके और किसान क्लब पश्चिम बंगाल के सहयोग से छह अलग-अलग जगहों पर पावर रिबनर के जरिए जूट अथवा मेस्तापौधों के ऊपर से छाल उतारकर जूट सड़ाने वाली उन्नत प्रौद्योगिकी का आमने-सामने प्रदर्शन किए गए जिनमें पश्चिम बंगाल के चार जूट उत्पादक जिले साम्मिलित थे। इसमें करीब 280 किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और उन्होंने मशीन को खुद चलाकर हरे जूट अथवा मेस्ता पौधे के ऊपर से छाल निकालकर दिखाई। निष्कर्षण के बाद तालाब और खाई में गड़े बांस से छाल को बाधकर उसे लंबबत अवस्था के पानी में लटकाकर सड़ाया गया। यह देखा गया है कि पारंपरिक प्रक्रिया में 16-18 दिनों के अंदर सड़ने वाला रेशा 6-8 दिनों के भीतर सड़ जाता है। मशीन की छाल उतारने की क्षमता, रेशा की गुणवत्ता, लागत, श्रम की आवश्यकता, बिजली की खपत और मशीन के वजन पर किसानों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर दिए गए। डॉ. वी.बी.शंभू, वरिष्ठ वैज्ञानिक, टोट प्रभाग ने कार्यक्रमों का समन्वय किया है।

| क्रमांक | प्रदर्शन की तिथि | ग्राम | ब्लॉक | जिला | प्रतिभागियों की संख्या |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 02.08.2017 | केवीके हुगली | चिंसुरा | हुगली | 35 |
| 2. | 03.08.2017 | केवीके हुगली | चिंसुरा | हुगली | 55 |
| 3. | 16.08.2017 | रानीगाची | भांगुर-I | 24 परगना (एस) | 40 |
| 4. | 24.08.2017 | माथुर गाछी | चकदा | नदिया | 45 |
| 5. | 26.08.2017 | बार्कुल बेरिया | कालीगंज | नदिया | 45 |
| 6. | 30.08.2017 | अरिअला | बारासात -I | 24 परगना (उ०) | 60 |

विभिन्न स्थानों पर पावर रिबनर का प्रदर्शन

# एनएफएसएम प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

डॉ. एल. के. नायक द्वारा स्वागत संबोधन

आईसीएआर-निरजैफ्ट,कोलकाता ने संस्थान में 17-19 जुलाई, 2017, 24-26 जुलाई, 2017 और 1-3 अगस्त, 2017 के बीच राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम), व्यापारिक फसल,कृषि विभाग, सहकारिता एवं कृषि मंत्रालय द्वारा प्रायोजित"अन्य संबंधित पहलुओं सहित जूट / मेस्ता/रैमी / सनहेम्प का उत्पादन और प्रौद्योगिकी" पर राष्ट्रीय स्तर के तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं। इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल, बिहार, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा के अलग-अलग जूट उत्पादक जिलों से पचहत्तर प्रशिक्षुओं (प्रति कार्यक्रम 25 प्रशिक्षु) ने सक्रिय रूप से भाग लिया है। डॉ. लक्ष्मीकांत नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कार्यक्रमों का समन्वय किया है।

# एक्सपोजर विजिट

निदेशक द्वारा स्वागत सम्बोधन

आईसीएआर- निरजैफ्ट में 28-29 जुलाई, 2017 के दौरान "जूट एवं संवर्ग रेशों के उत्पादन और प्रसंस्करणार्थ कृषि की नवीन पद्यतियों" विषयक एक्सपोजर विजिट-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसे ब्लॉक किसान सलाहकार समिति (बीएफएसी), रघुनाथगंज ब्लॉक-I, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस अवसर पर एटीएमए के अध्यक्ष श्री तुतुल सावपुरी ने जूट के व्यावसायिक क्षेत्र में मूल्य समवर्धन और उद्यमशीलता के विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। श्री मेनुल हक, बीटीएम, एटीएमए स्कीम ने इस आयोजन के समन्वयन हेतु आईसीएआर- निरजैफ्ट, कोलकाता की भूमिका की सराहना की। डॉ. ए.एन. रॉय, निदेशक (कार्यकारी) ने संस्थान में विकसित प्रौद्योगिकियों और जूट एवं संवर्ग रेशों के व्यावसायिक क्षेत्र में उत्पाद विविधीकरण की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल में मुर्शीदाबाद जिले के रघुनाथगंज ब्लॉक से चालीस प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। डॉ. एल. के. नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक और डॉ. वी. बी. शंभू, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कार्यक्रम का समन्वय किया है।

संस्थान के वैज्ञानिक,साथ में हैं प्रशिक्षण के प्रतिभागी

# कक्षा 12वीं के छात्रों द्वारा आईसीएआर-निरजैफ्ट की अध्ययन यात्रा

सेंट अगस्टिन डे स्कूल, 47 बी, रिपन स्ट्रीट, कोलकाता -700017 की श्रीमती शुक्ला मजूमदार और श्री ए. के. सिंह की अगुवाई में 12वीं कक्षा के 23 छात्रों का एक समूह 31.08.2017 को संस्थान के अध्ययन यात्रा पर आया। डॉ. वी. बी.शंभू, वरिष्ठ वैज्ञानिक, टोट प्रभाग, डॉ. एस. सी. साहा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, क्यूईआई प्रभाग, डॉ. एस. देवनाथ, प्रधान वैज्ञानिक, एमपी प्रभाग, डॉ. एल. के., नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीबीपी प्रभाग और डॉ. एस.दास, वैज्ञानिक, टोट प्रभाग ने क्रमशः संस्थान की प्रौद्योगिकियों के प्रसार हेतु रेशा निकालने से लेकर अनुसंधान एवं विकास संबंधी गतिविधियों को छात्रों के समक्ष प्रदर्शित किया। डॉ. आलोक नाथ राय, निदेशक (कार्यकारी) ने छात्रों को संबोधित करते हुए संस्थान के अनुसंधान और विकास संबंधी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। डॉ. एल. अम्मैयप्पन तथा श्री एस.दास ने इस अध्ययन यात्रा का समन्वय किया है।

अध्ययन यात्रा पर आए छात्रों को संबोधित करते निदेशक

# गृह गोष्ठी

| दिनांक | विशेषज्ञ | विषय |
|---|---|---|
| 11.11.2016 | डॉ. एस. एन.चट्टोपाध्याय | जूट के गूदे से सैनिटरी नैपकिन का विकास। |
| 11.11.2016 | डॉ. एस.सी. साहा | स्वत: समाकलित जूट श्रेणीकरण उपकरण। |
| 24.11.2016 | डॉ. एल. अम्मैयप्पन | अग्नि मंदक परिसज्जनार्थ जूट कपड़ों पर नैनो कम्पोजिट का प्रयोग। |
| 24.11.2016 | श्री एस. दास | मशीनी दृष्टि से वास्तविक समय में जूट कपड़े के दोष की जांच। |
| 02.12.2016 | श्रीमती एल. मिश्रा | नारियल रेशा को त्वरित सड़ाने का सम्पूर्ण पैकेज। |
| 02.12.2016 | श्री के. जी. नाथ | ई-खरीद। |
| 09.12.2016 | डॉ. एल.के. नायक | सड़ाए हुए और धूप में सूखे अलसी के पुआल से रेशा निकालने वाली मशीन की डिजाइन। |
| 09.12.2016 | डॉ.वी.बी. शंभू | यांत्रिक अंत:क्षेप पर जूट और मेस्टा पौधों से गुणवत्तावाले रेशा का उत्पादन। |
| 09.12.2016 | डॉ. एस. एन.चट्टोपाध्याय | प्राकृतिक रंजकों और रंग गाड़ा करने वाले तत्वों से जूट कपड़ों की पर्यावरण अनुकूल छपाई। |
| 23.12.2016 | डॉ. एन.सी. पान | चिटोशनआधारित खुशबू का प्रदर्शन: जूट वस्त्रों के ऊपर चमेली के माइक्रोकेप्सूल का प्रयोग। |
| 23.12.2016 | डॉ. एल. अम्मैयप्पन | अर्ध-टिकाऊ जल विकर्षण परिष्करण हेतु जूट वस्त्र पर नैनो क्रोमोसाइट का प्रयोग। |
| 23.12.2016 | कुमारी पी. घोष | बेहतरऔर पर्यावरण के अनुकूल कृषि के लिए मिट्टी आवरण के रूप में जूट के बिनबुने अभियांत्रिकी कपड़े। |
| 13.01.2017 | डॉ. वी. बी. शंभू | जूट की छाल उतारने वाली विभिन्न मशीनों के कार्यों का तुलनात्मक अध्ययन। |
| 03.02.2017 | डॉ. वी.बी.शंभू | जूट की छाल उतारने वाली विभिन्न मशीनों के कार्यों का तुलनात्मक मूल्यांकन। |
| 06.03.2017 | डॉ. डी.पी. राय | भारतीय रैमी पौधे से गुणवत्तावाले रेशे का उत्पादन और इसके विगौंदन संबंधी मूलभूत ज्ञानार्जनकी संभावनाएं। |
| 06.03.2017 | डॉ. एस.सी. साहा | रैमी रेशा के श्रेणीकरण की नई प्रणाली। |
| 03.04.2017 | डॉ. (श्रीमती) रीना नैया | कृषि के क्षेत्र में ओपेंनअसेस सेंट्रलाईज्ड इन्फोर्मेशन एंड डिसेमीनेशन डाटा बैंक नेटवर्क सिस्टम। |
| 30.06.2017 | श्री सयनदीप देबनाथ | झरझरा कपड़ा में ध्वनिक गुणों का समावेशन। |
| 31.07.2017 | श्री रामदाल शर्मा | भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन। |
| 18.09.2017 | श्री रामदाल शर्मा | पंडित दीनदयाल उपाध्याय। |
| 18.09.2017 | श्रीमती परमिता मित्रा | पार्थेनियम- मित्र या शत्रु? |
| 25.09.2017 | डॉ. एल.के. नायक | ग्रामीण-सामाजिक उद्यमों का विकास। |

# विशिष्ठ आगंतुक

| तारीख़ | आगंतुक |
|---|---|
| 5 अक्टूबर, 2016 | डॉ. असित कुमार चक्रवर्ती, पूर्व वाइस चांसलर, बिधान चंद्र कृषि विश्व विद्यालय, पश्चिम बंगाल |
| 31अक्टूबर,2016 | श्री बी. बी. चक्रवर्ती, पुलिस उप-अधीक्षक, अपराध शाखा, सीबीआई, कोलकाता |
| 4 नवंबर, 2016 | डॉ.राज काचरू, पूर्व सहायक महाप्रबंधक (प्रोसेस इंजिनियरिंग एंड एआरआईएस), आईसीएआर और पूर्व सदस्य (एजीएम) |
| 22 दिसंबर, 2016 | डॉ. चौधरी, सहायक प्रोफेसर, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय<br>डॉ. एन. सी. घोष, लाइब्रेरियन, सीएसआईआर-भारतीय रसायन विज्ञान संस्थान, कोलकाता |
| 3 जनवरी,2017 | माननीय श्री सुदर्शन भगत, कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार<br>डॉ. राज कचरू, पूर्व एडीजी (प्रोसेस इंजिनियरिंग एंड एआरआईएस), आईसीएआर और पूर्व सदस्य (एजीएम)<br>डॉ. एस. श्रीनिवासन, पूर्व निदेशक, आईसीएआर-सिरकोट, मुंबई<br>डॉ. पी. जी. पाटिल, निदेशक, आईसीएआर-सिरकोट, मुंबई |
| 17 फरवरी, 2017 | डॉ. पूरन सिंह, सहायक निदेशक (राजभाषा), डेअर, कृषि विभाग और किसान कल्याण विभाग |
| 24 मार्च, 2017 | डॉ. नबरुन भट्टाचार्य,निदेशक,सी-डैक,कोलकाता इलेक्ट्रॉनिक्स |
| 13 जून,2017 | श्री राधा मोहन सिंह, माननीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार |

# उपलब्धियां

**पुरस्कार**

- आईसीएआर-आईआईएनआरजी, नामकुम, रांची में 17-18 फरवरी, 2017 को "बायोपॉलिमर्स के क्षेत्र में आधुनिक विचारधाराएँ" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर कुंडू ए., घोष आर. के., राय डी.पी., चट्टोपाध्याय एस. एन., भंडारी के, तिवारी ए., दासगुप्ता एस., घोष एस. और सरकार ए. द्वारा प्रस्तुत विभिन्न कृषि अवशेषों से माईक्रोक्रस्टालिन के एंजाइमेटिक संश्लेषण: अवसर और संभावनाएं नामक शोध लेख के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार।

"सस्य श्यामला कृषि विज्ञान केंद्र, आरापंच" में14 दिसंबर, 2016 को "किसान मेला-सह-प्रौद्योगिकी प्रदर्शन" में लगाए गए संस्थान के स्टॉल को तृतीय पुरस्कार।

घोसाडांगागांव में28.1.2017 कोआईसीएआर के टीएसपी परियोजना के तहत"कृषि-सह-डेयरी मेला और प्रौद्योगिकी" में लगाए गए संस्थान के स्टॉल को तृतीय पुरस्कार।

केवीके-हुगली, चिंसुरा में 8-10 फरवरी,2017 को" प्रौद्योगिकी सप्ताह 2017-सह-पूर्व रबी किसान सम्मेलन" विषयक प्रदर्शनी में लगाए गए संस्थान के स्टाल को द्वितीय पुरस्कार।

**पेटेंट प्रदान किए गए**

पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली ने पेटेंट नंबर 272713 दिनांक 21.04.2016 के माध्यम से डॉ. एन. सी. पान और डॉ. ए. डे, डॉ. एस.एन. चट्टोपाध्याय द्वारा विकसित "द्वि-चरण-द्वि-बाथ प्रक्रिया से जूट कपड़े की प्रतिक्रियात्मक रंगाई विधि" हेतु पेटेंट प्रदान किया।

# कार्मिक

## नवागांतुक

| नाम | पद | स्थान जहां से आए | प्रभावी तारीख | प्रभाग |
|---|---|---|---|---|
| श्री अमिताभ सिंह | वि. एवं ले. अधि. | - | 05.12.2016 | वित्त एवं लेखा अनुभाग |
| डॉ. ए.के. ठाकुर | प्र.वै. | आरसीईआर, पटना | 22.03.2017 | टोट प्रभाग |
| डॉ. अतुल सिंहा | वैज्ञानिक | सीआईएसएच, लखनऊ | 27.06.2017 | क्यूईई प्रभाग |
| डॉ. पी.सी.सरकार | प्र.वै. | आईआईएनआरजी, रांची | 01.07.2017 | सीबीपी प्रभाग |

बधाई हो..
हमारी पूरी टीम आपके आगमन पर हार्दिक अभिनंदन करती है। आशा है, आपके कृतित्व से संस्थान सफलता के सोपानों पर निरंतर चढ़ता रहेगा।

## पदोन्नति

| नाम | किस पद से | किस पद पर | प्रभावी तारीख | अनुभाग |
|---|---|---|---|---|
| श्री आई. मुस्तफा | तकनीकी सहायक (टी -3) | वरिष्ठ तकनीकी सहायक (टी 4) | 13.12.2016 | एमपी प्रभाग |
| मो. नईम | तकनीशियन (टी 1) | वरिष्ठ तकनीशियन (टी 2) | 19.03.2017 | एमपी प्रभाग |
| श्री ए. के. दास | तकनीशियन (टी 1) | वरिष्ठ तकनीशियन (टी 2) | 25.04.2017 | डीडीएम |
| श्री आर. राय | सहायक | सहायक प्रशासनिक अधिकारी | 04.02.2017 | प्रशा. -II |
| सुश्री एस. मुखर्जी | सहायक | सहायक प्रशासनिक अधिकारी | 04.02.2017 | प्रशा. - III |
| श्री कंचन राय | एसएस स्टाफ | तकनीशियन (टी 1) | 30.06.2017 | टोट प्रभाग |
| श्री नन्दु शर्मा | एसएस स्टाफ | तकनीशियन (टी 1) | 29.08.2017 | डीडीएम |

आप ऐसे कर्मी हैं कि न तो प्रतिस्थापित किए जा सकते हैं और न ही प्रतिकृति किए जा सकते हैं। पदोन्नति पाने हेतु अति योग्य कर्मी होने के नाते आपको बहुत-बहुत बधाई

## सेवानिवृत्ति

| नाम | पदनाम | तारीख | प्रभाग |
|---|---|---|---|
| श्री तापस कांति घोष | तकनीकी अधिकारी | 30.11.2016 | क्यूईआई प्रभाग |
| श्रीमती प्रीती रेखा घटक | मु. त. अधिकारी | 31.01.2017 | पीएमई सेल |
| श्री स्वपन कुमार सिन्हा | डीडीओ / स. प्र. अधिकारी | 31.01.2017 | प्रशा. -II |
| श्री सुशील कुमार कुंडु | बेअरर-सह-सहायक कुक | 30.11.2016 | टोट प्रभाग |
| श्री गणेश चंद्र दास | वरिष्ठ तकनीशियन | 31.01.2017 | एमपी प्रभाग |
| श्री परिमल दास | कुशल सहायक स्टाफ | 20.02.2017 | क्यूईआई प्रभाग |
| श्री कमल कुमार बनर्जी | तकनीकी अधिकारी | 31.03.2017 | एमपी प्रभाग |
| श्री ए.बी. थापा | कुशल सहायक स्टाफ | 30.04.2017 | प्रशा.-1 |
| श्री लिलामोय पात्रा | स. मु.त. अधिकारी | 30.09.2017 | डीडीएम अनुभाग |
| श्रीमती जयश्री नाथ | सहायक प्रशासनिक अधिकारी | 30.09.2017 | प्रशा.-1 |

जब-जब आपका कैरियर समाप्ति की ओर पहुंचता है तब-तब कृपया निश्चित रूप से जान लें कि आप एक प्रभावी व्यक्ति है। आपके प्रदत्त ज्ञान से अनगिनत जीवन प्रभावित हुए हैं। आशा है आपकी सेवानिवृत्ति आपके लिए सब कुछ है, क्योंकि आपका सजोया सपना सत्यता में परिणत हो सका है।

## स्थानांतरण

| नाम | पद | कहाँ से | कहाँ को | प्राभावी तारीख | प्रभाग |
|---|---|---|---|---|---|
| श्री राजीव लाल | मु. प्र. अ. | निरजैफ्ट | तीकरी | 08.03.2017 | प्रशासन |

आपके नव प्रयासों पर शुभकामनाएं

## शोक सन्देश

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि इस संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. एस. के. भट्टाचार्य और पीएमई सेल के (एसएस कर्मी) श्री गणेश मजुमदार का देहावसान हो गया है। हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति दें और इस दु:ख की घड़ी में शोक संतप्त परिजनों को धैर्य धारण करने की सहन शक्ति प्रदान करें।

**भाकृअनुप-राष्ट्रीय पटसन एवं समवर्गी रेशा प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान**
12,रीजेंट पार्क, कोलकाता - 700040, पश्चिम बंगाल के निदेशक द्वारा प्रकाशित
**फोन:** 033 2471 1807 (निदेशक);
**कार्यालय** - 033 2421 2115/16/17 (ईपीबीएक्स); **फैक्स:** 033 2471 2583
**ईमेल:** nirjaftdirectorcell13@gmail.com; director.nirjaft@icar.gov.in
**यूआरएल:** www.nirjaft.res.in

*प्रिंटर: मैसर्स एस के जी मीडिया, कोलकाता*
*फोन: 4063 3318*

*आगामी आयोजन: निरजैफ्ट 3 जनवरी, 2018 को अपना 80 वां स्थापना दिवस माना रहा है*